कपड़ा मिलों के आधुनिकीकरण के लिए कोष

440. **श्री रणजीत सिंह :**

डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कपड़ा मिलों के आधुनिकीकरण के लिए 1986 में एक कोष की स्थापना की गई थी ;

(ख) यदि हां, तो मार्च, 1992 के अन्त तक उक्त कोष में से कितनी राशि वितरित की गई थी ; और

(ग) कितनी कपड़ा मिलों का आधुनिकीकरण किया गया है और उसके परिणामस्वरूप उत्पादन क्षमता में कितनी वृद्धि हुई है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी हां ।

(ख) और (ग) जैसा कि आई० डी० बी० आई० बम्बई ने सूचित किया है कि 31 मार्च, 1992 की स्थिति अनुसार वस्त्र आधुनिकीकरण निधि के अन्तर्गत आधुनिकीकरण सहायता के रूप में 836 करोड़ रु० की राशि वितरित की जा चुकी है । इस योजना के अन्तर्गत 174 मिलों का पूरी तरह से आधुनिकीकरण कर दिया गया है। उन्नत मशीन की क्षमता/उपयोगिता तथा बेहतर प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप उत्पादन के स्तर में कुछ सीमा तक वृद्धि होने की आशा है । आधुनिकीकरण के परिणामस्वरूप उच्चतर क्षमताओं के लिए तैयार किए गए नवीनतम उपकरणों की वजह से भी कुछ सीमा तक क्षमता में वृद्धि होने की आशा है, तथापि उत्पादन में वृद्धि मामला-दर-मामला भिन्न होने के कारण वृद्धि की मात्रा को मापना संभव नहीं है ।

अखिल भारतीय हथकरघा बुनकर सम्मेलन (ऑल इंडिया हैंडलूम वीवर्स कांफ्रेंस) की मांग

441. **श्री रणजीत सिंह :** क्या वस्त्र मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अखिल भारतीय हथकरघा बुनकर सम्मेलन (ऑल इंडिया हैंडलूम वीवर्स कांफ्रेंस) ने हाल ही में अपनी उस मांग को दोहराया है कि वस्त्रों की 22 किस्मों के विनिर्माण का एकाधिकार हथकरघा उद्योग को दिया जाना चाहिये; और

(ख) यदि हां, तो ये किस्में कौन-कौन सी हैं और उक्त मांग के प्रति सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी हां ।

(ख) हथकरघा क्षेत्र के लिए आरक्षित 22 मदों की सूची विवरण के रूप में संलग्न है । सरकार एक नीति के अनुसार हथकरघा क्षेत्र में उत्पादन के लिए मदों के आरक्षण हेतु वचनबद्ध है ।

विवरण

क्र० सं०	मद	हथकरघा क्षेत्र में आरक्षित मदों की किस्में
1	2	3
1.	साड़ी	वे साड़ियां जिनमें बॉर्डर अथवा पल्लू बुना जाता है और साड़ी में कहीं भी अतिरिक्त ताने अथवा अतिरिक्त बाने का प्रयोग किया गया हो [100 प्रतिशत सिंथेटिक फाइबर से तैयार की गई हैं साड़ियां तथा जिन साड़ियों में 45 प्रतिशत (भार में) से अधिक मानव निर्मित फाइबर का प्रयोग किया गया हो वे इसमें शामिल नहीं होंगी] ।